>

Title: Introduction of the Compulsory Imparting Of Moral Education in Educational Institutions Bill, 2012.

**श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण (साबरकांठा):** महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि देश में माध्यमिक स्तर तक की नैतिक शिक्षा अनिवार्य रूप से प्रदान किए जाने तथा उससे संबंधित या शैक्षिक संस्थाओं में उसके आनुषंगिक विषयों का उपबंध करने वाले विधेयक को पुर: स्थापित करने की अनुमति दी जाए।

**सभापति महोदय :** प्रश्न यह है :

> "कि देश में माध्यमिक स्तर तक की नैतिक शिक्षा अनिवार्य रूप से प्रदान किए जाने तथा उससे संबंधित या शैक्षिक संस्थाओं में उसके आनुषंगिक विषयों का उपबंध करने वाले विधेयक को पुर: स्थापित करने की अनुमति दी जाए। "

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

**श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण :** महोदय, मैं विधेयक पुरस्थापित करता हूं।

-